

# राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में फिजी से आये प्रतिनिधि मण्डल ने नए विकल्पों को तलाश किया



दैनिक देश मोर्चा संवाददाता

मनी वर्मा

सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, गोजना, नीति एवं अनुसंधान, बीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दीरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में बीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की समावनाओं का पाता तथा इसके लिए संस्थान का दीरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारोबारेन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च बिस्टरट्यूट के नेतृयमेन भी शामिल रहे प्रतिनिधियों का

ख्यात बन करते हुए, श्री नरेंद्र मोहन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की। गई उसके बाद, उन्होंने फिर्ज़ के प्रतिनिधियों को भारतीय बीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय बीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के द्वारा ऊर्जा की खपत और बीनी के मुकाबला को कम करने, गर्न और बीनी उत्पादकता बढ़ाने वाली की गुणवत्ता में सुधार और बीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्तित उत्पाद बनाने वे लिए विविधकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय बीनी उद्योग केवल बीनी

से होने वाले राजस्व पर निर्भय होने के बजाय सह-उत्पादों के बैठकर उत्पोषण से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी बीन उत्पोषण के लिए भी लाभदायक हो सकता है प्रतिनिधित्व - शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायिक रूप से के लिए संरक्षण द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया उन्होंने बीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी लिंचररी दिखायी द्वारा दक्षता तुलनात्मक रूप से

बहुत काम है जिसके परिणाम स्वरूप प्रसंस्करण के द्वारा अधिक चीजों का नुकसान होता है और चीजों का कारखानों को बला के लिए हमें बाहर से ईच्छन लेने पड़ता है, जबकि भारतीय चीजों का कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई द बहुत करते हैं ग्राफिक शर्ट्स संस्थान का एक सिद्ध ट्रैकिंग कार्ड है और इस प्रकार, यह संयोगों के आधिकारिक करक्त्रिय में वृद्धि और उत्पादन का लागत को कम करने में सक्षम है के चीजों उद्योग की मदद का सकता है सुधी रेशमी कुमारी निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीजों उद्योग मंत्रालय ने कहा हमारे चीजों का कारखाना में कार्यस्त कर्मियों के ज्ञान व

बढ़ने और तीव्री प्रसंस्करण  
और सह-उत्पाद के उपयोग  
में नवीनतम रुझानों के बारे में  
जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण  
कार्यक्रम आयोजित करने की  
सभावनाओं पर भी हम मिलकर  
कार्य करें उठाने का सुशील  
मार्गरिट गटे, निदेशक (शर्करा  
प्रशासन), उपयोग का मामले,  
खाद्य और सार्वजनिक वितरण  
मंत्रालय, भारत सरकार भी इस  
अवसर पर उपस्थिति की जिज़ोन  
प्रतिनिधिमंडल को दोनों  
देशों के बीच वित्तीय संबंधों को  
देखते हुए हर संभव समर्थन का  
आश्वासन दिया। तो सीमा परोदा,  
प्रो. जीव रसायन ने विजिट के  
दौरान समवय स्थापित करते  
हुए फिजी के प्रतिनिधिमंडल का  
आभार व्यक्त किया।



भारतीय मॉडल फिझी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है

वीली अयोग मंत्रालय के नेतृत्व में फिरी के 4 सदस्यनीय प्रतिलिपिमंडल ने रहीय लकड़ा संस्थान का दैस रिपोर्ट

卷之三

प्राप्ति। यहीं बैठक अपनी, निम्न, ऊपर, एवं एक अपेक्षित  
प्राप्ति का विवरण है। इसमें दो विभिन्न विधियाँ  
हैं। एक विधि विशेषज्ञता का द्वारा विभिन्न विभिन्न प्राप्ति  
दोनों विधियों का विवरण है। एक विधि विशेषज्ञता का द्वारा  
दोनों विधियों का विवरण है। एक विधि विशेषज्ञता का द्वारा  
दोनों विधियों का विवरण है। एक विधि विशेषज्ञता का द्वारा

# फिजी के 4 सदस्यीय दल का दौरा कर्मियों को ट्रेनिंग-तकनीकी में सहयोग

कानपुर, 19 अक्टूबर। चीनी उद्योग मंत्रालय, नीति एवं अनुसंधान, निदेशक मुश्त्री रेशमी कुमारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया और चीनी मिलों के आधुनिकीकरण, चीनी मिलों का आधुनिकीकरण और क्षमता बढ़ाने आदि परिवर्तन से चर्चा की।

प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे। बुधवार दोपहर को एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने पतकारों को

दैनिक

# जन सामना

कानपुर, 20 अक्टूबर 2022, गुरुवार

## फ़िजी प्रतिनिधिमंडल ने शर्करा संस्थान का दौरा किया

कानपुर, जन सामना संचालित है। एन. विकल्पों को खोजने के लिए शर्करा संस्थान में फिजी से आये प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का दौरा किया। इस दौरान रेशम कुमारी, निदेशक, योजना, नीति अनुसंधान चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सीजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर कारपोरेशन के चेयरमैन भी सम्मिलित थे।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन ने निदेशक द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रत्युत्ति दी गई। नरेंद्र मोहन ने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी कि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके।

उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वृद्धि उत्पाद बनाने के लिए



विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया।

प्रतिनिधियों ने ऐश्वर्यिक और अनुसंधान चीनी उद्योग मंत्रालय, रेशम कुमारी ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कम्बियों के जान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे। मार्गिरट गंगटे निदेशक शर्करा प्रशासन उपभोक्ता मामले खाद्य और सावधानिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित रही। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का भी आश्वासन दिया। डॉ सीमा परोहा ने फिजी से आए हुए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

कानपुर युवा कानपुर बाबूपु सेवा शिष्ट उपलब्ध ओद्धा इस कहा और सुदृढ़ है।

### राष्ट्रीय



कानपुर विकास ज्ञापन कार्यालय प्रवेश तैनात

कानपुर छाया का दौरा करने वाले वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सकता है।

## दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़..... [www.nagarchhaya.com](http://www.nagarchhaya.com)

## कानपुर छाया

कानपुर  
20 अक्टूबर, 2022

2

# फिजी के 4 सदस्यीय दल ने किया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा

►चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण एवं विकास को जाना

**कानपुर (नगर छाया समाचार)** मुश्त्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारपोरेशन के मूल्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान कलनों की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गना और



उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वृद्धि उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग के बाद स्थान की से होने वाले गजस्व पर निर्भर होने

के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वृद्धि उत्पाद बनार की अधिक राजस्व लक्षण करने पर काम कर रहा है और यह बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष विभिन्न रुझानों और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना भी लाभदायक हो सकती है।

प्रतिनिधियों ने ऐश्वर्यिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यवसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष विभिन्न रुझानों और सह-उत्पाद के उपयोग के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादों की समान लात को कम करने के लिए एक गैर-तकनीकी हस्तेश्वरों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

प्रकार, यह संघर्षों के आधुनिकीकरण, दृष्टि में बढ़ि और उत्पादन की सांख्यिकी के लिए विभिन्न रुझानों में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकती है। सुश्री रेशमी कुमारी, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कम्बियों के जान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे। मार्गिरट गंगटे निदेशक शर्करा प्रशासन उपभोक्ता मामले खाद्य और सावधानिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित रही। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का भी आश्वासन दिया। डॉ सीमा परोहा ने फिजी से आए हुए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

सुश्री मार्गिरट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सावधानिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं, जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया।

डॉ सीमा परोहा, प्रो. जीवं रमायन ने विजिट के दौरान शर्करा संस्थान को आभार दिखाया। डॉ सीमा परोहा, प्रो. जीवं रमायन ने विजिट के दौरान शर्करा संस्थान को आभार दिखाया। डॉ सीमा परोहा, प्रो. जीवं रमायन ने विजिट के दौरान शर्करा संस्थान को आभार दिखाया।



कानपुर चीनी उद्योग मंत्रालय की चार सदस्यीय फिजी प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा

आलोक ठाकरे

**कानपुर।** रेखमी कूर्मी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, जीवी उद्योग विकास के नेतृत्व में सिफारिश के लिए एक ग्रामीण विकास मंडल के बारे में ग्रामीण विकास संस्थान का दीर्घ काल प्रतिनिधित्वमंडल द्वारा किया जैसे जीवी उद्योग के आधिकारिक और विकास के रूपान्वयन के संबंध में सहायता प्राप्त करने की संघरणात्मकता का पाता लगाने के लिए संस्थान का दीर्घ काल विवाद गया। प्रतिनिधित्वमंडल में कियी गई कारोबारिणी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अधिकारी की भूमिका

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नेंद्र मोदी, दिल्लीका राष्ट्रीय शक्ति संस्थान द्वारा उन्नीसवीं संसदीय कोर्ट नियमित विधायियों के बारे में एक प्रतिनिधियों पर अधिकार की घोषणा की गयी। उक्त दिन दोनों कमियों के भारतीय चीनी उद्योग में हालात के विवास के बारे में जनकारी दी गयी। इसे वित्तीय रूप से टिकटोक बनाया जा सकता है। उन्नीसवीं प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग के दौरान ऊँज की खत्म और आगे चीनी के तुकसान का काम करने, ग्राम और ग्रामीणों की उद्योगकारी बढ़ावे, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के संस्थ-उद्योगों को कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विकासीकरण के विषयों के बारे में विवाद उत्थाने कहा गया। भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले खाद्य प्रत्यक्ष विनियोगों



बायाय सह-उत्पादों के बेहतर उत्पायों से मूल्यवर्तित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्प्रय करने पर काम कर रहा है और यह मार्गदर्शक फ़िज़ी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है। प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संखण द्वारा विकासित नवीन तकनीकों के बारे में प्रेस रिपोर्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए, विभिन्न प्रयोगशालाओं की विशेष सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समय लागत को बढ़ाकर करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानें में गहरी दिलचस्पी दिखाई। उत्तरी द्वीप तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्थलव्य प्रस्तरकण के द्वारा अधिक चीनी का उत्पादन होता है और चीनी कारखानों को उत्पादन के लिए हमें बाहर से इंडेन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खाँई का बचत करते हैं। गर्चिंग याकरण संस्थान का एक प्रस्ताव दिया रखिया है और इस प्रकार, यह संस्थेकों के आधिकारीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फ़िज़ी के चीनी उद्योग को बढ़ाव देकर सहाय है, रेशमी कुरायी, निशेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा। हमारे चीनी कारखानों में कार्पर्ट कम्पियों के जांच को बढ़ाने और चीनी प्रस्तरकण और सह-उत्पाद के उत्पायों में नवीनतम रुद्धानों के बारे में जागरूक करने के लिए, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कायदे करेंगे, उन्हें कहा। मारिट गंगा, निशेशक (शर्करा प्रशासन), उत्तरी चीनी पायलंग, खाँई और जिनजिनके वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उत्तराधीन थीं, जिनकोंने फ़िज़ी प्रतिनिधियों को दोनों देशों के बीच दिये गये संवेदनों को देखते हुए भूरे संघर्ष सम्बन्धों का आशासन दिया। डा. सीमा परोहा, प्रो. जीव रसयान के विभिन्न के द्वारा सम्बन्ध स्थापित करते हुए फ़िज़ी के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

अ एवं अस्ति न कर्म स

फिजी शुगर इंडस्ट्री और मंत्रालय की टीम ने सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के निदेशक संग किया एनएसआई का भ्रमण  
**अब कानपुर से चीनी बनाना सीखेगा फिजी**

उपलब्धि

कानपुर, विरह संसाधनाता। फिज़ि  
अब कानपुर से चीनी बगिले में बनते  
वाले सांस-उद्योग बनाना सीधी तरीका  
में इसको लेकर रिकॉर्ड की चीनी उत्पादन  
में बढ़ावा देना। अब तक कुमारी की  
अगुवाई में शुगर हैंडलसी द्वारा विशेषज्ञों  
वाली चार सदस्यों टीम ने राजस्थान  
शर्करा संस्थान का प्रणगण किया। टीम  
संस्थान की अत्याधिकारी तकीय और  
लेव को देखा। विशेषज्ञों की मुश्किल  
दोनों दिनों को वीच प्रणगणना देने, फैक्ट्री  
व कार्मी को झस्ती बढ़ाने और  
सह उत्पादन को बढ़ाकर अमानुषीय  
पर मरण हुआ और जल्द इसको लेकर

समझता हाया।  
संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन  
के साथ भारत सरकार के खात्य एवं  
सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की  
निदेशक (शक्तरा प्रशासन) मार्गरिट  
गंगटे फिजी के प्रतिनिधि मंडल ने



फिरी शुरू इंडस्ट्री व मंत्रालय की ठीम पर सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के निदेशक संग छिपा एन-पएसआई का भ्रामण। तकनीकीयों को समझा। रेशमी कुमारी ने बताया कि अभी तीन चीजों मिल कारबोरह हैं। जहाँ चार से छह हजार टन गन्ध परें की श्वास है। फिरी 80 लाखीय चीजों की बात कहा गई। और... नेट्रो गोन्ह ने बताया कि फिरी ने एकीकृत साथ योग्य में भी उत्पादन करता है। देश में 80 टन प्रति हेक्टेएर गन्ध हाता है, जबकि फिरी में वह सर्पिं 40 से 50 टन प्रति हेक्टेएर है। मिटटी की गुणवत्ता, जोने की प्रजाति आदि वे वाणीय की अवधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि फिरी ने योग्यी विद्युतीयों को आलिंगनर्भ बनाने के लिए सह-उत्पाद रपर काम करना जरूरी है। रेशमी को नहीं कहा कि प्रतिनिष्ठित मंडल आपस में बंधन करने के बाद मंत्रालय में चेंचुर कर दिया गया था। एक साथ संस्थानों के साथ सम्पर्क बनाया गया था। शुरू मिसर्सर्च इंडस्ट्रीज़ के देवारों पर लिपि लिखा गया था।

हिन्दुस्तान जैसी संस्कृति संग  
दुर्गा, शिव व राम का भक्त है फिजी

कानपुर, वरिष्ठ संघादवादान। भारत से किंजिस की दौरी 1160 किमी। सात समंदर पार होने के बावजूद किंजिस में हिन्दुस्तान की पांच अधिकारी-सभायां से लोगों जीते हैं तो दागा, खिल, राम व राधा के बहन हैं। दूसरों में पूजा करते हैं तो शिवाय का शंख से लोकर हिन्दुस्तान जयती तक मरते हैं। हाँ वाह किंजिस आज चीनी उद्योग बाजार की जो बोनी, नीति एवं उत्तमताएँ की निर्देशकरणीय कुमारी ने अपक अनेक अवधारणा हिन्दुस्तान से माझे की। कहा, पिंजिवासी हिन्दुस्तानियों को अन्ना पूर्वज मानो हैं। अपनी करीब 10 लाख लोगों की आवादी वाले देश में 5 लाख आवादी भारतीय भूल के लोगों की है।

- हिन्दुस्तानियों को मानते हैं पूर्वज, शिवरात्रि से हनुमान जयंती मनती
  - आठवीं कक्षा तक हिन्दौ अनिवार्य तो दिवाली है राष्ट्रीय त्योहार

राष्ट्रीय ल्याहार  
वेलोटे हैं, जिसकी भाषा काफी हद तक  
उत्तराञ्चल के समान है। वहां कक्षा आठ  
पर्याक हिन्दी अनिवार्य है और  
वर्षावर्षालय में भी शिक्षा हिन्दी भाषा  
पर्याक जा सकती है। फिरी को राष्ट्रीय  
ल्याहार एक उत्तराञ्चली है। रेशमी कुमारी  
बताया कि यहां सभी मंदिर हैं, जिसमें  
लगां-लगां भवानों को पूर्णिमा लोग  
पूजा करते जाते हैं। नववरात्रि से लेकर  
मान जंबूती में लोग तंत खेते हैं।

## Gangte assures Fiji delegation of support

PNS ■ KANPUR

Margaret Gangte, Director (Sugar Administration), Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Government of India, while addressing a high level meeting at National Sugar Institute (NSI) on Wednesday assured the Fiji delegation of all possible support looking to bilateral relations between the two countries. The four-member delegation from Fiji was headed by Reshma Kumari, Director, Planning, Policy and Research, Ministry of Sugar Industry. The delegation also included Chief Executive Officer, Fiji Sugar Corporation and Chairman, Sugar Research Institute of Fiji was also present and explored possibilities of seeking NSI assistance in modernisation and development of sugar industry in Fiji.

Director of NSI, Prof Narendra Mohan while welcoming the delegates, presented the activities of the Institute and briefed the delegates from Fiji about recent developments in Indian sugar industry for making it financially sustainable. He informed the delegates about the measures taken by the Indian sugar industry to reduce energy consumption and losses of sugar during processing, enhance sugarcane and sugar productivity, sugar quality improvement and diversification for making many value-added products from the by-products of the sugar industry.

He said the Indian sugar industry was working on generating more revenue streams through utilisation of byproducts in an innovative manner rather than depending on the revenue from sugar only and this model may be beneficial for Fiji sugar industry as well. The delegates visited



various laboratories and other facilities of the NSI to get first-hand information about academic and research facilities and also innovative technologies developed by the Institute for com-

mmercialisation. They also showed keen interest to know about technological interventions made to reduce overall cost of production of sugar.

Prof Mohan said efficiencies were much lower resulting in higher sugar losses during processing and to run sugar factories NSI had to source the fuel from outside, whereas, Indian sugar factories save bagasse after meeting their own requirements.

He said the NSI had a proven track record and can help Fiji sugar industry in modernisation of plants, thus, increasing efficiency and reducing cost of production.

Reshma Kumari said efforts will also to explore possibilities to conduct training programmes for sugar factory personnel to refresh their knowledge and make them aware about latest trends in sugar processing and byproduct utilisation.

# फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर

दैनिक वरदान पंकज अवस्थी

कानपुर। शर्करा संस्थान में  
फिजी से आये प्रतिनिधिमंडल ने ए  
विकल्पों को तत्वाश किया। विकल्पों  
को खोजने के लिए रेशम कुमारी,  
निदेशक, योजना, नीति अनुसंधान  
चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व फिजी  
के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय  
शर्करा संस्थान का दौरा किया।

रक्षण संस्थान का दौरा लिया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा सीजी में चीनी द्वयों के आधिकारिकरण और विकास में राष्ट्रीय शक्ति संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी सम्मिलित हए। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हए



नरेंद्र मोहन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई।

नरेंद्र मोहन ने फिरी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी कि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग ड्रा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत

और चीनी के नुकसान को कम करने, गत्रा और चीनी उत्पादकता बढ़ाने वाली की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यवसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए

विभिन्न प्रयोगशालाओं व अन्य सुविधाओं का दौँग किया।

फिनी से आए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इधरमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दोरान अधिक चीजें का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से इधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोड़ की बचत करते हैं। मार्गिट गॅटे निदेशक शर्करा प्रशासन उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत संस्कर भी इस अवसर पर उपस्थित रही। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का भी आशासन दिया। डॉ सीमा परोहा ने फिनी से आए हुए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

# शर्करा संस्थान पहुंचा फिजी प्रतिनिधिमंडल मिलकर काम करने की सहमति बनी

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। फिजी प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधिकारीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहयोग प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अधिकारीक फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन भी शामिल होए। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गता और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की



गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविध करण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वित्तीय चीनी उद्योग के बारे में जानकारी के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए निम्नरंग होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य दिलचस्पी दिखाई। हमारी दक्षता उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है। प्रतिनिधियों ने चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें संविधान सुविधाओं और व्यावसायिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायिकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में विवरण दिया। उन्होंने चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की वित्तीय चीनी उद्योग के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए निम्नरंग होने के बजाय हमें गहरी संभावनाओं पर भी हम प्रसंस्करण कार्य करेंगे, उन्होंने कहा। मारिट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपर्योग का मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित हीं। जिन्होंने फिजी वाहां से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद इन्हें संबंधित चीनी की देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा

# फिजी को गुणवत्तायुक्त चीनी बनाना सिखायेगा शर्करा संस्थान

■ सहारा न्यूज ब्लॉग

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अब फिजी को गुणवत्तायुक्त चीनी व अन्य उत्पाद बनाना सिखाएगा। इसके साथ ही शर्करा संस्थान फिजी को चीनी से जुड़े अन्य उत्पाद बनाने की तकनीक भी सिखाएगा। फिजी के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को शर्करा संस्थान का दौरा किया। इस दौरान एनएसआई और फिजी के प्रतिनिधिमंडल ने एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किये।

भारत सरकार के चीनी उद्योग मंत्रालय की निदेशक योजना, नीति और अनुसंधान रेशमा कुमारी के नेतृत्व में फिजी का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचा। यहां संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने संस्थान की ओर से एक प्रेसेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि फिजी के चीनी उद्योग और गन्ना उत्पादन का अध्ययन यह बताता है कि वहां चीनी उद्योग प्रसंस्करण के दौरान बिजली ज्यादा खपत अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसी तरह उत्पादन के दौरान होने वाला नुकसान भी भारत के मुकाबले फिजी की चीनी मिलों में कहीं अधिक है। यही नहीं फिजी में प्रति हेक्टेयर गन्ना का उत्पादन भी आधा ही है। शर्करा संस्थान फिजी को इन सभी



फिजी के प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन। फोटो : एसएननी

**फिजी के प्रतिनिधि मंडल ने किया शर्करा संस्थान का दौरा**

समझौतों से उत्पन्न में मदद देगा। साथ ही फिजी के चीनी उद्योग को चीनी के सह उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि जल्द ही शर्करा संस्थान के विशेषज्ञों की एक टीम फिजी जायेगी, जो वहां के चीनी उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक बिजली खपत व उत्पादन में नुकसान को कम करने के तरीके बताने के साथ ही उत्पादन बढ़ाने की तकनीक भी बतायेगी। इसके साथ ही फिजी के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान बुला कर उन्हें

तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जायेगा ताकि फिजी में चीनी का उत्पादन बढ़ाया जा सके। फिजी के प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का दौरा कर नवीन तकनीकों, यहां शैक्षणिक सुविधाओं और अनुसंधान सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली।

इस दौरान फिजी शुगर कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक, फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन, भारत के खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की निदेशक शर्करा प्रशासन मारिट गंगटे, संस्थान में जीव विज्ञान विभाग की डॉ. सीमा परोहा और कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी महेन्द्र कुमार यादव आदि थे।

एनएसआई के सहयोग से फिजी में बढ़ेगी चीनी की उपज

अमृत विचार, कानपुर



एनएसआई में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के साथ फिजी से आया प्रतिनिधिमंडल।

फिजी के छात्रों के लिए कोर्स होंगे संचालित

प्रो. नरेंद्र मोहन हीने बताया कि फिन्नी के छात्रों के लिए संस्कृत में कोर्स संचालित किए जाएंगे। उन्हें एनएसआई में चल रहे विभिन्न कोर्स में दखिला दिया जाएगा। वहाँ की वीना मिलों के विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया जाएगा। वीना मिलों की तकनीक विकसित की जाएगी।

मिलों की तकनीक, ऊर्जा की खपत, गन्ना व चीनी उत्पादन बढ़ाने, गन्ने के सह उत्पादों की जानकारी दी। उन्हें किस तरह से भारत में चीनी उत्पादन गणे और अन्य पदार्थों से मूल्यविधि वस्तुता तैयार कर मुकाबला कमा रहे हैं। इधर-उधर लोग उत्पादन किया जा रहा है। फैसिली की अनुसंधान निदेशक ने बताया कि चीनी वस्तुओं में उत्पादन के दौरान काफी मात्रा में चीनी का नुकसान होता है। कारखानों के संचालन के लिए बाहर से ईंधन लाने पड़ता है। इस अवधि पर खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के उपभोक्ता मामले की निदेशक मार्गिरेट गोंदे भी मीजूद रही। उन्होंने फैज़ी के प्रतिनिधि मंडल को हांसा-संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

चीनी उद्योग मंत्रालय की 4 सदस्यीय फिजी प्रतिनिधिमंडल ने किया दैरा

आनंदी मैल संस्कृतिका

करनामा देखिए याहुए, निवास, चोकरना, नाती एवं अनुभवधार, जौनी उड़ायं मंडलयप के नेतृत्व में फिरी के 4 मंडलयं प्रतिविधिभवकान ने आज लक्षणीय लक्षणीय सम्भावन का दीक्षिका। प्रतिविधिभवकान द्वारा फिरी में जौनी उड़ायं के अध्यात्मनकारण और विवाह में लक्षणीय लक्षणीय सम्भावन में सहायता प्राप्त करने की मंडलयताओं का पाता लालने के लिए सम्भावन का दीक्षिका गया। प्रतिविधि-मंडल में फिरी शुभग चारोंपोशन के मूल्य कार्यकारी अधिकारी, निवासके अतिरिक्त फिरी के मूल्य प्रतिविधिभवकान का महानगर करते हुए, दीक्षिका, निवासके यात्री लक्षणीय सम्भावन तक



संस्कार की गतिविधियों के बारे में एक प्रमुख प्रदर्शन की गई। उसके बाद, उन्होंने फ़िल्म के गतिविधियों को भासलैंग चरीनी ऊर्जा में इसके विकास के बारे में बातचारी दी ताकि वह नितीय रूप से टिकाक बनाया जा सके। उन्होंने गतिविधियों को भासलैंग चरीनी ऊर्जा द्वारा प्रसंस्करण के द्वारा ऊर्जा की खुफ्तार और चरीनी के बृक्षसामन को कम करते, राज और चरीनी ऊर्जाकालीन बढ़वाएं चरीनी का गुणवत्ता में सुधार और चरीनी ऊर्जा के मह-उत्तरार्थों से कई मूल्य वर्णन व्यक्त करते हुए के रूप से विवरित किया।

के प्रधानी के बारे में बताया। उसने कहा कि भारतीय चीनी डॉकों के बीच चीनी से होने वाले गवाहण पर निर्भी होने के बजाए सह-उद्योगों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाया अधिक हजार उत्पाद करने पर काम कर रहा है और यह मुद्रान चीनी चीनी उद्योग के लिए भी सम्पादक हो सकता है। इसीलियन्सी ने सहायक और अनुशंशन मुख्यालयों और लड्डाबाजारों के लिए मध्यम हाथ द्वारा विकासित कर्तव्य लकड़ी के बारे में प्रश्न उठाकरों प्राप्त करने के लिए विभिन्न उत्पादनालयों और अन्य मुख्यालयों का दीर्घ किया। उसने चीनी के उत्पादन को मध्यम लगानी को काम करने के लिए दिया गया नियमन विभाग द्वारा बनाया गया और जनरल

में गहरी दिलचस्पी रखता है। सभी इकानो तुलनात्मक स्पृह में बहुत कम है विकास परियाम-व्यवस्था प्रसंस्करण के द्वारा अधिक चीजों का तुलनात्मक होता है और चीजों का विवरणों को तुलनात्मक लिए हैं जबकि स्पृह में दूषित लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीजों का विवरण अपनी अवधारणाओं को पूरा करने के बाद छोड़ जो बचत करते हैं। शूरूप लक्षण संस्कार का एक मिट्ट ढंग रखता है और इस प्रकार यह मिट्टी के अनुकूलताकार, दृश्यमान और लक्षणों को लगाता हो कि कम लागत में फैलने की चीजों द्वारा की मदद कर सकता है। ऐसी राशि पूर्णता, निवेदक, खेजना, जीत और अनुप्रयोग चीजों तक उपलब्ध होता है।

कठिनीयों के ज्ञान को बढ़ाव और नीति प्रसंस्करण और सांख्यिकी के उपरोक्त में विविध तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते जो संभवतः उन्हें पूरी हम प्रिलिंग कार्य करेंगे, उन्हें ज्ञान का मार्ग संगेत, निवेदक (संकरण प्रस्तावन), उपभोक्ता यामने, खदान और संवर्जनिक विलेपन मंत्रालय, भास्तु रसायन की इस अवसर पर उपस्थित थी, जिसके द्वारा प्रतिनिधित्वदान को देखने देखी के बीच द्विपक्षीय संवैधानों को दर्शाते हुए वह संघर्ष सम्पन्न का आवाहन दिया। यह सीमा प्राप्ति, और योंके रसायन ने कठिनीयों के इन मामलों में मध्यायित करने तथा उनकी प्रतिनिधित्वदान का आवाहन दिया।

卷之三

फिजी को खेत से मिल तक की विधियां बताएगा एनएसआई

मार्ड सिटी रिपोर्टर

कानपुरा नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट  
(एनएसआई) फिजी को गना की पैदावार  
बढ़ाने से लेकर मिल में चीनी उत्पादन की  
तकनीक बताएगा। साथ ही वहाँ के शर्करा  
उत्पादन के अधिकारी भवानी में प्रश्नोत्तरी करेंगे।

उद्योग के अधिकारीयों में सहवाग करना। निदेशक (शक्ति प्रशासन) मार्गरेट गोडार्ड भी मौजूद रही। तीन विदुओं पर एनएसआर और फिजी के टीम के बीच सहमति बनी। इस संबंध में दोनों दोस्तों के बीच करार देखा। प्राप्तपार्थी के निदेशक ऐपेक्षा यहाँ

टीम ने देखी एनएसआई की  
तकनीक, मूल्यवर्धित उत्पादों के  
बारे में जानकारी ली

मोहन ने बताया कि फिजी में गने की पैदावार और चीनी के उत्पादन में कमी है। शक्ति उद्योग के आधुनिकीकरण और विभिन्न तकनीकों से स्थिति को सुधारा जा सकता है।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि फिजी की टीम के साथ जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, उनमें प्रशिक्षित मानव शक्ति उपलब्ध कराना है। वहाँ के स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन कार्यक्रम होंगे। एनामर्स्ट की टीम फिजी जाकर

हां शर्करा उद्योग की कमियों का अध्ययन रेरी। कमियों को दूर करके अनुक्रियकरण किया जाएगा। गने से नी के अलावा बनने वाले सह उत्पादों विधियां बदल जाएंगी। मल्टीवर्सिट

यादों की तकनीक बताई जाएगी। टीम ने अपनसआई की प्रयोगशालाओं को जाकर देखा। इस मैके पर शुरू रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक फिजी के चेयरमैन प्रकाश जी चांद, केसर डी. स्वेन, डॉ. सीमा परोहा और डॉ. रम्पौरा को भेजा।

## Link for ePapers

- फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर
- फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान मे फिजी से आये प्रतिनिधि मण्डल ने नए विकल्पों को तलाश किया
- सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के सहयोग से फिजी देश बनाएगा अच्छी चीनी
- कानपुर: प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का किया दौरा, जानिए क्या हैं उपलब्धि